· ·				
	•			

JANAM SÁKHI

OR

THE BIOGRAPHY

OF

GURU NÁNAK,

FOUNDER OF THE SIKH RELIGION.



Dehra Dun:

COPIED FROM THE ORIGINAL PY PHOTOZINCOGRAPHY AND RINTED AT THE OFFICE OF THE TRIGONOMETRICAL BRANCH, SURVEY OF INDIA 1885.

NOTE.

The Janam Sákhi book of the Sikhs is a brief biographical memoir of Guru Nának, the founder of the Sikh religion.

Several Janam Sákhis are current among the professors of the Sikh religion, and as would be expected these differ one from another in various respects. The Sikh community of Amritsar therefore requested the Lieut.-Governor early in 1883 to procure for their perusal a Janam Sákhi in the Library of the India Office, which was presented by Mr. H. T. Colebrooke to the East India Company; and by the courtesy of the Librarian, Dr. Rost, the volume was forwarded to this country in the autumn of that year, and was made available for examination at Lahore and Amritsar.

A wish was subsequently expressed that fac similes of the volume should be reproduced by photography; and at the request of the Lieut.-Governor and by permission of the Surveyor General of India, the reproduction by photozincography was undertaken in the Office of the Survey of India at Dehra Dún under the supervision of Mr. J. B. N. Hennessey, M.A., F.R.S., Deputy Surveyor General.

As soon as the MS. was received at Dehra a careful examination of it was made. It then appeared that there should be 240 leaves, numbered only on the right-hand pages, but that Nos. 2, 3, 4, 5, 6, 18 and 19 were missing, as also two of the three leaves 12, 13 and 14; that some of the numbers of the leaves had been partially cut off in binding, and that some of the pages were defective, portions having been torn away and whitish paper pasted on as a protection to what remained. In other instances the text had evidently been restored as appeared from the difference in writing. Each page of the original was found to be edged by a border of double lines in red; and where a portion of a page had disappeared part of this border had necessarily gone also. This will explain certain breaks in the border in the photozincographed copies.

Endeavours have been made to reproduce the original as exactly as possible save in the following respects. The red border has necessarily been printed black: obvious blots and dirty marks have been omitted: and errors made by the writer which he obliterated with some kind of yellow pigment do not appear. Otherwise, the copies are as true fac similes as it has been possible to make them, save that the pages have been numbered 1, 2, 3, &c. to facilitate the binding and ensure correctness of arrangement.

The undertaking proved a very difficult one owing to the fact that the paper, which was originally light brown in colour, has become several shades darker from age, and very dirty from usage, and the time occupied in reproduction has in consequence been more than treble what would have been required had the paper been white.

The obligations of Sir Charles Aitchison to the Surveyor General and to Mr. Hennessey who have enabled him to place a fac simile copy of the volume in the hands of the leading members of the Sikh community are very great, and His Honor desires to take this opportunity of acknowledging them.

A lithographed copy of the book is about to be published separately by private enterprise.

CIVIL SECRETARIAT, PUNJAB GOVT.,

March 15th, 1885.

मनेगुगमन्त्रा महत्ता

13 गुडु एमरी। मार्थि मिब हो गान तीवीं। म्भिन्नियुन्तीत्यग्रीमगर भारिकावित्रगहिष्ट्रवाक्षात्रित्ता लांपायव्यभवाष्ट्रमायायुग मिर्डग्र र्यामभग्रा१५४२॥इन्द्राभगगा देमाथमाठाविजामाना तही गरीणे भरेडे 1000 है वर्ग है वर्ग है। मब्र प्रममग्बर्ग्य हिस्ता निर्म रेडीरेट्डिगारुभमवार्गीणान्डिम्हि. र्भावरित्ववीगिक भार्तिभा वैवामीमा मिपा

ग्रह्मायात्रभमवार्वीणातिस्तुं खगाः मडाव्य विणारिणारिमवर्तिभम्यप्रीत तागउयवणायु भरीता हे हन्दी उरा है और हिंग वरीवीरमरीहरिरमरणणणाष्ट्रयेतागुप भारके भारता है भारता है में के देश के मान याण्या उरिमयी रिगम श्णिष्ठर भारेत णिल्याम् यग्नेम ग्रम्य वगार स्वयाद का कि पार प्रित्य का सम्मार हा मार हा मार हा का बिद्धाउवगिममा इवगामिन उमनम् विमे माउँ एक सारिन्द्र य उति से में दे रिएणितामिस्टिलातिकारि

तिनेशिभुराष्टिनामार्विपेन्रिणिरो।ति यवा स्य वर्गमाम उपरेषणा अविवास निर्धाणा हिन गंउद्भारगावकिताता है से स्वर्धिया स्वरिष्धिया स्वर्धिया स्वर्या स्वर्धिया स्वर्धिया स्वर्या स्वर्धिया स्वर्धिया स्वर्या स्वर्या स्वर्धिया स्वर्धिय ,निष्णपमारिम गुपस्रि। मुक्षपम्य ्यिस्टिडी। भाषा अग्ये की की पुडा विशामा भाषा उपरेशाभः भाउषगुनुरात्र प्राणिक प्रसाता । रियमें उद्यानी महग्रम्भाराममें म मिंदितिक्षिमात्तीणम् अस्ति मारिस्रिन् नि इन् काराक्षेत्रीति प्रमानाकाकाकामिहाने दिन र्भन्द हिंदिवि उष्ठ परिणा।१॥

र इस्रीणिर पुरुष् हैरान जा पे मार्ज में या रामिस हिस्सिर्वित्ति भारति स्वाति स्वाति ठेउराभाइतिष्ठ प्रभाग्न नी नित्रणणः याष्ट्रणामस्वरिमरी व्याप्यासी रयगतम् वयमारिणा आइ इहिणा नेवरिपिर्ण पेष्ठउमेरिएमग्यतीण गिरिवरा ट्रेंग ए पे में विरोग गावन वमर्गेउग्तव्यु १६डमाब्द क्रिक्णा, तभगतिर उरुण रमणिण वर्मगणि संदि

विभग्यन्दिणार्थं यक्तितं वेम्ड ठ ठी उसम्बरिणाद्या गरे मिर्मितितिहर्द्ध गएने महन्द विन्द्रितिभाधिमाती चत्रिके ये भागमं स्वत्याणमं विर्गु ग्रेगाबम्बणन्तमभवित्ति हिंग ीयुग्ह्य गेणाथा येथे यथिय सिक्षिम दे पित्रकाष्ट्रायाणारायद्वीण स्वडीमन्भे अव डेग्बीणां व्यभ् उणा ॥

लिए हिर्मार्थ के कि かんつかりりいてるマクン रैए थर्डिंग्मी उर्वी थ्वरिणगो क्षिणग्डिणयार्थितिवह *भगरेरे हे वै उब भु उल्लेश* 4 Em1971 3 5 1-C यान्साविशाणिश्वेगह गडिण र्सिणभाभागी।१३।१२र प्रहामत्रीहरू उउ **6237**

एस्यानुभैताय गुरा एक प्रभास्य युरुभ उम्मग्रमा १ गा हो हा दिस्म दी है। BUB-OJERA DARBER मध्तातिमन्ग्रहिंपगम-देम् ध गगा१४।। उरेरे छवर ठिका भूटी ति मनुन्लारगाष्ठिमिरिग्रहाउगम् उमाउद्यापिकी के विरुद्धिक मानुसार वगा११॥ इन्डिस्ड ग्रेस

स्मर्गाणयेणधिकार में देशा था जे जे जुड़ मेडिए तिता की मिरिहरी उभिज्ञा है । इस स्थान है। व मात्र घरेडिमे ध्रान्य बीणमंब्र भारतभाषाभाषणाय जो भेराड नेणस्वताता।वशायर भारतमी रस्मी 2)m

िणगागली ठर्छ मुरगारि िक्याभ्यापयेपष्ठिम् उ टबर्*परपे चुनी भ*णारे हिस्ता के भेडिए साउँ में इसे जगाउँ पिहिसी अ

गर्ड अरिए उद्वेग्डि ण ना उठ उठे परिण भभणा भगवशा जित्तत सुत त्रविम्खपस्टागुग्भ न्द्रितिक हमिला किन्निक नउद्यारियी में विष्ण

एकिमाइ।।एकिए। रामभविमस्यव्ये गाश्याहें हह मन्द्रपारी मने दुनवी गणा है ये ये ये मन म्भेडिया उपिनिहारिक्षणा ३ थात्र

एक्डाउनिम्डे ESN'1920. ज्लान मेरे है। उष्यु कुरा द्रीवर्गाणगीभागित्रहरू र अमीणम्यक्षा रेन र्मलिति भूष रितिया मार्सिक मार्सिक भाषात्रात्रधनात. छास्र भा रणमहर्गित अस्पर उतिराभिद्यरवनीव गामग्रुं पारिवरिव ग्रिकारा जाराजा (8) भारिकारिया

विणार ती भगाम उदिवित्ते पाउन वर्गेरे हिंगामियी भारी भारी र डिलामग्याममग्री ए डिमि? मावड्र भाषी वहाया भी ने रेक्षानियाउमारीबीवगिराणव नमग्डेकी गाउगिडाउँ विकरित्ता वरीसी यह दीव जी। एहिंग राउ६िएयग्र भागितिष्ठ

गग्नवविषणाम् दि रिवणहरे डिगरिवस रे डिगरिवमप्र गाउमा उउँगिधिवष्ठ त्रवेणा है। निर्मिश्रियं जित्र है। यह मुटिउ 1841 EB गामर ह

मिर्मियं ने जा एं त्रवृ विषि एउने शस्त्र खान विपष्टि उच्छिणाणा ते बर्जित ठामि - पिष्ट्र गराउ।। भरा उपाणने द्भागि । इसिन् विम्यान्य ग्ति उगरिषे धेरे द्यो। अधिग्र, धेताक छीन है जाता मार्थ

275011911Bran व्यक्षिणामुर्डे उपित्र विममारि उन्हें। तम गर्ड केमण्ड िगराडे। र्यणभागमण उग्रव राष्ट्रियमं भी प्य उरिगरासित्याभागम्य तीन्या विविधियमों भेग गर्डिन भागिनी भाग गाउभवी पितारिवाग्याय-म राडिगाउभडमनी बेन रीभाग्य रागाधिक

विभावगठा। उषिधि व उरेग्ये गिभमवाष्ट्रवी छेम्। न्त्रवे है नेगणनमेणाई-श्रीमन्गाअवगरुः रीभिक्षिणिये वे बिकितिणाँ बिएउ मारी भागायया अस्तिति गिर्ध रोगत्व है अबिष्ठ अविहास मी भारी वरेगा कवी म्यारिमसाण म वायाचा उरेर दे दिशिषणा वित्रम म्हेग्डेन्स्ट्रिश्चिड रागिरणाउद

रागेठ तीरिम-एन्स ए शहक्ता जिस्ता भरम्बरीगाराजी उपमे ग्रेट-एउगाउषगुरुगान्यभाष स्तिमलम्भित्रतिवय्ष्यहा 5113 बया हा धेडीरा इनाइका भःशास्माउद्देस्म भेगवेगाउद Amore अपने जी गर्भ हा।१।।उगम रदाम्थेरेहारी बरेक लाहार के है। ते क बीते इस्परमियारी एक ग्रह्म र्डीमंडिंगिनं देनिंशियात्रमंडेम रान्द्राभेरीमीवा वयगारि

• •

उकार्टि त्राकि ममन्बी उद्यात्मगुर्गाव र उर्गणभभरमुडीमग्रीकेड क्टिमीमिटाग उपायरा ग्यातारिष्ठ-एम्ग्री अविश्वरिगी अनु गावनीत्रिविधा गहिन्मु उगारिकी पुंचे गाउँ ।। अभिगिष्ट विष्णा रेडे मुमामा हरामहरास्य गरि भागिति स्राथनरा

ध्यापत्रम्थालक्षणाविष्णिकार्विष्णि वेह्राहिण उपम्याप्य प्रमुख के रिणिषि हिलाहि हिल्ला है जिस्ता विकार एउर उने हे अठारिए आणी गणी।नि हिन्तामा दीपिकिकारिकारिविवार राष्ट्रिम्। भग्रभाधिक्रम्।वगण्भ अष्टि इतिराउभग्रस्टिंगाउभज्यम् मरामन्दवाभगमण्यस्म रहि॥व नी तिडाण है भागा भाग ने भने मरमउरस्थिर उपराज्या जा जिल्ला गगरीयुराष्टराणयुराष्ट्रगाता 12 कि कि हा प्रतिकार कि का कि का

मामारिभत्रिं भिन्दे गाउँ इसिमारिकार गारिषाणाम्यार हेरा हिल्ला मार्थित है। र उन भ ला उभा अवग्रहा ण शासिणाधिणा बराउप हम्मान्यामान्यामान्याम् पीणपुर हे शास्त्रगप्रभी विश र्वाणुन्य पृत्रभाष्ट्र हुणा है।।न 3mm Amore Barnon मिणा जी। विवयस मुद्दिति र ठाउन्छ विम्त्राचिम िन्द्री। उद्भवन्दिएमई।। मम्

॥ ध्रीणधिणाममुद्धिणाने हिंदिणसिम परिणाउँग्रम् यारण इंडिणाउँगायारः यस्कारी अधिमाडामारी हिंतिमाधिमा राम्भियरिणावस्ति गाउँ।।वस्याउँ वेडी भ डी-रीयविमा किए अपिस्ड गाम्यी अविशिष्ण गाउगम्ब न देव गमुद्रवर्ग्य विष्ट्रिया जित्रहारी प्रथन टाउ ने हे जे।। उदिवाणु तु अविति द्वीप ELF MEBINIAMINA क्रायुर्पियसी उउट हेती।उउ

अ)। खत्रगुर्भी उन् भामनी भेनी खड़िंध वी भे दे गड्ड हे नाह्य गडी गति हते हिस्ट थ लग्त रीममभमेरी।उखर उत्तील मार्ग्स्याणी मेडीस्ठी है वरीवयरणाण मण्डास्टि पिणे डेगस्त्रिनी डी है। एक

'ने गर्नाणी येडी वरिरा ही गाविभाणी 'क हिं भगे भगे वे पर मण्यमणी ग्रेतिहरणी टमारेगरिथा उत्ति क्वीय यहियह 33000 अमामामामामा मार्थ रगिराधिस्तिकारिम् न एरितान्य प्राप्त भाव मे मेडीड वित्रायी गुणी । इसि प्रियागामग्रमम्बद्धि।यः बद्या भगुगणीवग्रे सिगमार्थ

पुर्य हात्राभेडाता भुवी त्रमें हे थूम् एक भुगरी बी हमानुष्वग्रम्वितिभमी माभगन गठह्यामानिएणपारिणमिति।। भिरिणात्रगिरिणाविगण बुर्विशिग्ठ उद्विध्वीच ब बिल्णाण्यिष्ठ मायि अपिम डीयडीबीतीयुटीणात्रीपिउतिएण मार्डी वडीबीतीयगैरीभीठेगण मार्थिम थेडी-टिए क्रिकाम गरेगात्रियमण्-रीष्ट्राव्यम् बुर् गामण्यविधित वरगापुर पीणम्थाल उद्योगिमा ने रज्योग है ग ही मन विर् र्गस्गातिम्माध्व-टीमेवगमाटी एउ गामिमग्ब उरु धम भाग्य वर गातिम

मराक्षाबहण्यीगाड भूमी गउर जाति दुर्ग ग मैररेगिथं जातीण मोरहरूमाडिन ण याग्रामिष्रामी रामग्री रामग्री उर्थं मर्षियहीं मण्डेमाउषिया डिमारे काम कि के मार्व ता है है। कि कि कि कि कि कि रेण्यक्रिए है।।उपमुख्यानि त्रिम्मार्थ जाएव विकश्चितातिक स्थापित होता है। उण्णे । उष्युरुगान् (उन्मव् म्लाम्स्रिक्षाभःशाम्स्रियाला री कं उदिशानी भी थ उणासारी।वरटेस्टिउग्रेग्रिमभारी॥।

हत्रमामारियागरिमेक्नीग्राम्हीगरीन तारे हे वाच हाय हु है वा गरण है।। मिन अभिलिम् गरियामिनियामि विर्व मित्र रक्षक्षिणशिकारीयान्य रही वर्ड करारी डिमिडिए स्डिमारी मिन मुक्रियम् कि कि का रीकामिया यह णच्छणारीणाउपहिस्तियातिरेतथार निकारा हा का हिए हिरा है। कि कि कि कार्य तम् इत्रिष्ठिमेष्टिणच्यातात्र Y119113 विकिए या गुन डिमार्ड गार्ड रिभागग्रीय द्याषिगिष्ठि

गनिविधिययागान्य गुभन ए हिला राष्ट्र मित्रामा राष्ट्र के कि के उजमने वेभ उस्तेगरि जा भाष वेथेनी हुंतर प्राधायित हम्बीहर्षि एगिष्यरमिता भाषा विषय रिकिता अहमारिरिका गुरे कि अंतरित भइलिएग लीन् उदिगान्त है।।मबन्धण धरानायुन राहमग्रावराष्ट्राल

गमिडियां के तिर्वार्थित कार्य में विष् रक्षणारी गणिय वनिय मिष्ठ ठीय रिगरिग विभागने गाना सामा है। हरे ते उह पार सारी।।।एएडउमने गुउद्मेगान्स्र उत्युन्नगागुड् ४३उगागुड् १७ हम्मान्व हि। है। त्रास्ट्रमण्य उद्दे गरामासिकिरानविन नी माम्य श्रमगडिउवभ राष्ट्रगागगवग्रह शिक्षाराष्ट्रिक होते होता ही। ताहिर व विनी जी। एक स्वर्धि। उदिम म उबरें बहरी भागाण

गाभवाणमिस्याहिक हिमाग्री स्वा रेस्गेरिंगगाउद्ययाच किराधियां है भी हिस्स् ठाउ स्र रहरी भाग में हर है भाग में बल के म ७६ वण्य उतिभाषि वणीतिमन्य पुरा परिणा उगड्डवरीहर्मरिलिहररजुव माविणन्य येन येन देश लाभुता है इने गाउँहै गा। उपना उसे ना उसे ने ठिए हैं गाउदिवाणु ६६ यस्र उण्णासिवि उमरिधाणिणिणामिहरणारि उर्णणाउन्याउन्। तन्याया

स्विध्याप्याद्विवर्षिके वामा एमारे हर्ड्सिणवररे गाउदिरया रमी धम्बर्स रेन्ट्र ला बाजा विणा ह रीवग्वविभागितानिहरू चेमगणित तालिताउभग्डमि

हैर्डमुथुकरोहिटि। राउँ।ए।ि ताहिसायक्षणये नास्त्रिमनिकारि नग्डेन्ड्युलारिका गात्रवारा उमिरि।।१।रन विग्रुवाविग्रिट्ट्रेण ग्यारिश्वमव वीडगारगुभरारहिसामक्युभःशिष्ट रमरायाधीतिमभाभागितिहर मत्तारि। र गरे उस्टिश्न वे भगीगा के मा उत्राचित्राशाग्याकारम्बद्ध थबु, भारिषद्व थमव उस्र जाभद् अमारिगेडिस परितहर गुनुरि ि।।।यमभूविमाविशीराम

मराशाबर ० बुणरपुण है।।वारि गरमाभित्रमना का अपिर गमाममगर्वेशिकारिकारियारि।जे न्ह्रवित यारी।शार्वकत्रवारी गारी उन्गातमभद्दरा यक्ति स्प्राप्ति भविगमिनारे गर्शिकामन मन्गारी।४।१।।उद्दर्डियदा भगाभाषा हम् अधिकाराण र उपिन्य मन्त्र ए उन्छे। अ

विहारणाडीकाराष्ट्रिकारी उड्यारा।१।।भेरमध्वायहरूति गाय ग्रेम सारीणहरा र भीषा भगभागी तेव उभम् ह णग्रामिक भिष्य उट्यट्स्वरभरग्वी)।।विषेरी द्याणगाउरे मैथिस्टुर वेष्ट्रश्च व ग्हाशाउटजाग्यग्भारथंड-ट व रागाणे उनदी रिए

रेडा नागाउँ हाभ<u>न्न</u>िमरा विवायनी हिंहिन्त्रिए गणा अविवास मरीणमाडिक्क्वाबाहिम् ती रिगणमा हिमी अहिए हिन्दायिक गारिका विषविकारहिमा।अधिवां णवेणरेण मारिविद्याणवर भाराण मैरिणावर है गाम मी उने दिं ए जी जिल्ला है। जिल्ला के जिल्ला है। जिल्ला डमी भाव है उन्लागा जाने ने वह गारिपाउम उर्दाणारीति

एभेग्वेडे से भारा जीत रणगाणीय हम्य िकारी मेथिइवज्ट ग्रेंच ल्या अवस्था विश्व तिला अधिष्ठ उत्पवति

रम्यादी राष्ट्रीयी साम्य लिंधमुन्दीहरा राष क्लास्याम्यान्य विकार उत्रबद्गाणभिमगीवमा . इछड्या ग्रनिष्णाता 14M24133

राजागनीिमनगापुरानि हरहै।।भगवेगुरिमवेउहरावर गान्यमा उरिविध्यमव रथ्डिर उगाउँ विख्या राणिवय भुवविशामीम उनरायमाउँ हो मना

3ितुराप्ष्ठिम् विष्वीगः からかえずみからひ गिरिट्यामिन्द्री वनैथमसाम्ब्रध

गिठिधात भित्र चन्य उप वभमवनी गा

जिलमस्र उल्लालाधिष्ठम स्तीर्यायय्य परिष्ठाम्य ण्यग्ममग्बी उर्रातिगाम् १ दिग्गाडाजेभ्डरवर्गे विव निर्वाराण्या हैने है। एक प्रमुख्त AMBURN

रमाराम्यमियमार्थ्याः। येत्रेराम्यम् यग्रम्रीणरेशम् राष्ट्रिविणार्थः जानमाणभवी गाथ दारे जा। विवयं Lette Chilips Sundaninus णरीवेमाउवजाउद्या विविध्याप गउन्छ नाग्यम् व्याभःगामक्य वर्मिनी भागनाय प्रथमिन यही गरिया है। म्राद्धिकार्याम्यामध हामिनिमिष्ठापेट उर्व ष्ठाशामन्यक्रवेश्वतिन वरि ग्राष्ट्री नुमाव योणास्पि स्वीग्य

पीमप्पिशालगमें जी तालिला विमन नार्षावीउमेनी भित्रापटे भाउगाएँ।।।।भेभाउरिवेत्रव मभागीताकातरगिमे गणार्ड इयोगगा था छ। बी ड री बी भिष्ठ स्डिमार्थाने गार्गाश्वास्त्रात्रात्रा रायहियहिनी रेनु सामम्

वस्विमायभान्य भगवनी समहा उरे व्हिलाम्य मिल्ला राम्य मिला भारिमा तगरमा विभी मन्त उमीनीमना।।।त्यमेयुर्डनीनगाउदि कारी का कारीएउन्डिड काग्रा गानित मुहुर उगैठन्सि सम्बंधियामगठन्सी

नेथर्ड उर्वे वेने मगाण्या गरिय विमाणग्रीउछाउद्येडस्येडस्येडीणाये वीडी गुरुगमबन्द्र स्ते उन्गी। गुरु है। मुठमन है। क्रिकडिंडियहम्बर्ग्युग्डाक पडमभरिक्षभणा गिरमभर मेरि सीपिट-गण्डमें जीभामन्मिरिसे मिट्टारिमरेन्ग्रिमन्भिक्तमार्टिश माथातियगगरविधानिष्य उद्यासाउरिकगात्वभागभवरे राज जारियानी जिल्ली पिलामण विस्पत्ता रेड विमाधिग वर्षे उदिना अस्ति । विद्यमा। ११। १। वाणिणार्व मिस्ना में देशानी गुरु

क्षित्रविद्याती। यवी गताराना गरोस्तिवनि यराउँ रिणानि गर्व ग्विभूमाग्रमगुठे।।उद्विणवासिव ग्रविणणतिद्याद्य गाप्ति ।

टिति नहीं भारतमारी बमरीपण गा भागतीष्ठिं चारण उत्तेवउराउँ गाँव वेभूमलभग ठाउदिभाविक्रिणान ह्याउपिणरगरगराष्ट्रिशिवि ग्रीमार्ग्य राजाणात्राम्

हिं। उद्योगिया के ए एवं प्रिया

ग्मुनुनद्याग्वनीग्नारिभे

भर्ता है भागाति हताण्य

गायउ र है।। उदिवादिय नेवासीवीविणाय वराउ उवासीवीिष्टास 1 र्गामिटिष्ठस्म उ

भी जीगहरू णणणाउद्यय नीभारि रेश्वमिष्ठीमाण

उम्बर्भडेगाड

वरमायाण डीएड ह एणधारियकाति किरिय किंगए यसमारिकारी।।३।। समयिवयी माथी भटमे उपराप उ ग्रम्भाष्ट्रिया हिंगी ना यग्रहमाग्रमहिक्षाण्डी।पान।ति मम्डविलाणगाउष अ भरिणगाउदिणि व राष्ट्रीय ता प्रवर्ध

नागहि के जा अधिय नी गरि उद्याण मण्ड वीजगावाहे

क्षागाउँ इन्हर

(भूमीउद्यायवी गर्ड परि

हिर्युम्यदीणुरावाव

नगरिएटर

द्मराण्यवीउग्डेगिरिमवा रवर्ष गणिय विषारिणा

गर्य भारति व्यक्तिक रवस्मीवयीत्रमुभ उस बा बेना धा वस्टिउग) 20 गउँगारिम

गैहिनाथी है है है विष्या स्तारा अविष माउभागिसिराष्ट्री) उदि रराषाषुरि उगामग्य ही। ग हमनी मण्डमण

रागावस्वगाणाधिर ए मण्माण

रोर्वियान

46

0 8 बीमा बी

गण्यामिष्ट्रहरे हमस्याविडीयव नायात्री भे वेबारिणारिबेहेगाईमर्

राष्ट्रिया।उदिभारिण उ उथाउगा भवविषे में राजी डीगर्रि (वबाबणिभागाभार-यी)णार विष् योगम् म्हत्रिणाग्यम् उगाग्रस्वावमबदााष्ट्रिणाभाःश। भिति किट्वेट्ट्यारिमार्भ र उर्दिभ

गरिणाग्ड छिमा।गान्द्रते प उठेवै। णियादिमिता विणादिणारी एव गिष्ट्रे हर्मिणिया स्थानित उघेठष्र राष्ट्रिय का गासितिविकिकामिडिति र हमिराहिणाधिण ग्रासाउ रिणिशिर्या गरी

इंडारी।गरि

लिये हे सिर्धित

13774BB714BB711 गिरिग्देग्डिण मभाष्टि। मणा उटा भर हुन भारिष्ठ वारि मन्त्राक्षा प्रवास्य 77/211/11/11 मलेब रविणणी मीधापर गेथा। गरीक यग्म ए

गुरुवामणाटेन ग्रम्भूए 'उटिमिरिकाग्रव वार्वाचित्र णाउदिसम्भाषाभागगगरातिण राम्बर्धायाम्बर्गात्राम्बर्गा ह सारिक्षामिट्र हरे हिल्लाक राष्ट्र र उगाग्रहरी मग्रमाहण गग्यन्नवाधारेग्रहरिं

यदी भाषा । उ

भामाधिण डेब्र व्या गाः रुद्रविणारीणा भारिवि

इउद्गणी।उ गड्याक्मार्यंड

नीगंगु। उम्रजाहिता दी गीत Dudle leins वैत्रानुद्यानग हालबलेड्र गरेवन भाडी भित्रभारी वित्वानी मुख्या वर्षकामहिकार्यानाराष्ट्रिय रास्टेबिरीचा जीम उपारि भे विलाविभागी भेगितिमारी

ग्रहरागिका तारा सारा है।

मधमानी हिताने वावितिम वाकाणि अपन्य मिणार ग्डेगाउबभागरी मठिगर। उष्ठ इन्वीजी। एके महन्द्री । नएने है।

हमाउद्यमग्रीमुक्षिणः ारी गिर्मिय बडी। उपिया गरिलाभःगामारापीराजम हर्ग गुनग्रस्माशायु 74214873 wol

मुराहीम्य गर्वातगण्डलिबेहा गर्ग्समाउष्णु विष्यु गुउखरीरतुउरीगुउभम

निरुषि अन्तरायामा जारी णामभाष्टि॥भाउषम् थयग्री-स्विष्णणामाण गरायुक्तां निष्ठ विषणार तीणायुः ग्रवभाषी रविष्ण हत्ति है है

लारिकापि प्रभवली पयटेंग गार्डी एविडे

हिरान मीम उर्देन दी। शाउहरे राभम्युर्गांभागा।पाउषमेष्वर

लामिकामिक कार्या किर्या ग्राथहात्र हात्र वा मएन। तितागिमे रिष्ठायिक्षिणीयिक स्थाप डी(4इएगिग्र)।१।।उघ्यां वन तारियरा मेर डिमाधारी है, हारिगागाउविष

गिटिया दिशि उम्बामिन्दी भरी जाउवस्य में विशाणाभि मम्हलपुन्टिस्य है।।पुर वमेज्यम्भाष्मभाष्यमा है नी।। उप क्राभःशामार्डेड्डिंगितिति रीणगामिलिये व गड च डाट ग्यमणामकमाडिष्मुन

अभिमीगारी गरिंग हों व गवे उत्ति भत्ति।।शामच

भूरप्रता-रायगाभगेत्रग मित्रगुर्भमार्याद्यगुर् ४।।नगण उत्तरों विषय १ उत्तरी मार्गा णगे। पर्द्र न्यामी। हिन्दे ने इति ए म्प्रिया।११२वटः।।१११०

णारा ग्रेमाया। स्टास्यारा णम्बर्भाणमा।।।एवव म्हिन्छ रेना अन्वर्धमाग्याम्याम्याम्याम्य भविनी गरा भारती भारती है। इस है ए दिल वभाष्टिणा।वउतात्रवित्तवत्त्ववीगाः वात स्टार्जिपिक कामनर्भाए विशासिक विदिय-उद्देन उत्तर भवादेन उत्तर गारा ४४४३"॥ मम्भरगामणा यद्वियविणाम उति स राउराउरिकामानउ,

१ भरकः ।। ग्राष्ट्रमिरा भारता गुराम्। धरा अ मठलिंद्यद्याराज्यस्यावयुग्रेग एमन्डस्याप्या। पाष्टिवस्ये लाग्डियागार्या । १५७२२ वर्षाया भारामा अधियान भारतामा हिराह्य प्रयम्गावर, णनुगरी माया हिए है। ति कि हिए वन्द्रभूलाषा। द्वारिवनगिति पहेल ठउल्याग्य यदः ।। रेन्डवल्या

लगाविक ग्रेमिन्यन्य न्यानी ग्राम्या २ ४ ६४ पिष्ठिणमन्द्रभूराषा।।।शिववग्री ए ठउ। उण्येषे उत्रागि उत्स्मा १३८४२ गानिवर उद्दरिणणावयुग्गान्यवानुग्रवीग्रथणारः उद्यारपिकणमन-दुर्भाणमाथारिनने इन्निगण्यवारिंद्यनागाम्बर्ध्यः।।भा भागनुगमाठितिभागुरी रागामा उतिरहि वर्षा उर्वे विभिष्ठरामान्य मान र्मवामायारिएडएडएसपर्यं मन्द्रे मा। शात्रहत्तगतिषदे हे है वे। इस तालि उवाडी। भग र ह्वी पहेंद्राविण रहेंगे

वैर्यम्सामाध्यामाभाधवरम्दाहरू उर्हास्तिगितात्र मारहामि मिष्यित म अंडर्ड हिट्ड हो हो यहिमा । ता तर तर्ह ग संह उनिकागा।१।।।भारिकाहर हनिविद्या उग्रची इरिक्ष उनि एम्भ बनी में उत्रमा१२०१ माहि हिमान् ग्राम्य सिंह दि भिटि स्यी उगा मो वे उउनिया मार्गित्र विस्व देव उपमिठाराज।१२८६०।।विरिणार्जिंगारिकिरण रामाण्डिनि श्री हित्रामी। जिसे मिं हु उम् ठउम्लाभान्य गान्य गान्य गान्य सम्हिना वर्ष ॥हिन्द्रीहर्पनीमाणयण्यण्य मठलगावस्य ५२.114 पर्गिय यय ग्रास्टिकाम

कारी हिराका रीजा हिराकारी कारीत हिराक गार्डणयगाउँगावजाग्वमन्तमहरून उ।।।।शिववीहिंगाएएएथवर्डिउरागा११६६ ४००।। तामा कामा हिरिययण पाना। करान्द्रिक ह विव वाविज्ञीगव्डा त्रा त्रमेत्रमष्ट्रि दी बाउग हाउहाउनिक णमि उसुरा वा अपिन वाग्राणभवडी मउरागाभारद्रभणाष्ठिपवित् महिर्देन र माना रिन्यु होनियु र तिनाना र ण उप उरि राष्ट्र दिनी वजा। गारिने व इरिनो मा एग भकारी त्रगा१२१४ •••।। तिजारा त्रगभित्रपि ४९ एगाठाडामग्डन् तिहिन्द्रान्याणाञ्चप

वाजा।।।।हिन्देरिहिंधैन्राए विक्रि 45522001191944197123193197 लियानियान्य मुग्डिंगाव व उस, गर्ने ग्रहार प्रायान्य स्थान गाउन्ने भारताहर गिर्मिन्टा उरीपदियो विन्याउपिभूतीउपिन्नतार्थ मजरामा २ वरः ।। वितिरस्ता वगरी।विषितिरणच्यत्रहण्डी।वि वाउग)।।हिंद्यारेहाराभवउउदि

टमन्भारम्भागापेन्य द्वतालागण्यम्। वर्ष ष्ट्रगान्य गान्य मित्र प्रस्थित विष्ट्रगाट्याण गेउँदेवी ५ इंद्रान्यणी। उउउ विवित्रित्रा ठानीवमपह्णाउँगेउनि ठिठाउँ उठ वपाराणिक इत्राच्या । गागगवङ्गानाणगार्वत्र माभाग्भेशा हिंदी हैं देश हैं रयहरामा ७१८१४ मा उ तमजी। मेन भ एकि हिंछ उ उनी उ म्पर्स्थागाष्ट्रमुह्हगानाव) क्रमाणण अच्छंमिकिसागा८८३४०

विराध्नेकिक्निक्रिक्निक्रिक्निक्र उिंगियातिम मित्राणताउन्ट रभग्राहिभगार्गारात्रम्थास १ उविषणा। गाम अयि ए भव ता गार्) ३२।एठिगासुग्रिकामाभी यहरीवषा मुहारी। मिरिया का मातिक म जिस्तिस्वी।4।।यहम गण्या देखिल्ला मियुर 2911/11/11/11/19

उमनु गार्थिन वजारी कर वार्ष का देवा है। १८०० विशाहन

गावाण ५३८

क्षेमीनगत्पी भेउति उति

ण यन्षम् (६० ता गा १५४००) म उमार्चिया।बित्री बगिरिताभन्ति वणवर गणनिएण्य वसनी गण राहिमडिरामाणमची गाउशनिर्धान्य माण्य उत्पादम्याभ्यर्थणः।। उत्पात्मग्रह िपग्पाराभक्तमेडी विभागागागुहरू उत्तपंडे महरमङ्गरी गित्रमा डी उद्दर्भ मीभिष्ठिपाद्याशिषादीमउत्पायहपेस्ठउन गावरपद्गानिवास्त्रवासाम्यान्यस्त गाउड्सावाय गाउँ भी मिटिउसागा ३१८ ।। भारती

प्राथाणामीमन्वी पर्दरी-विभागाभागाधिका हुग्येनातिष्या रवर्वस्थानी उल्लंभे करी उत्तरा वर्षेट्॰।। गगिवस्गानात्ता म्बाउगाम्यम्यम्

उरागाग गन्त्राह्मभारः ।(-विभागीउलाभणा हारी उउसा ।। सङ्गान २२००० गाइडी एन्। मन वर्गमवीकी इथेत्राउए भारती वाविरतहरूका ।। हा १ वा के 'वपर्याण्डीणाइन

उमेडी तमेडिस् गिरणातित्वेड रिति हिन्दि जाम।।३८१७ हारा वन हमिति उत् गाटस्र गार्मियामाउँ दि ववग्भी भाष्ट्री।विशिवाणी भारिमाप उ, १९१०वि एवए नगवउ मारारेग

गवानित्राष्टित्रणीठाण्यदीम् उना गा४३२००।।। मन्त्रावानि इशामना गणिया। भाग का शिव उत्तर ॥१११४८ः।।। उडवेन्स्स्वराएम गा१४ २३ ••।।रभाप्रिवासेस कर्षमिक उत्तानाट दूर गा विणान रिए भवडी मगुज्यामा अवस्था उण भन्नित्रणीमित्रणान्निक उपवहारा।हरुण्या मेर्च (अरुपि भोगाभाषेग्रम

शाणारी य नीव गिरा हिला हिला है। THEOBMIDILY 234112 उभाग्रकाकाणयम उपरी

HOBBIRDDE म्मार्सिष्ट्रिक्स्वान्।।१३०४३२००॥ स्महिन्त्याच्याठ १८९४ ००१ म 77731F293000)M313E1E निकाब ८३२८०००।। मिष्ठ प्रावि पत्री २८००।। उउन्। मन्त्राश्रिक्षा त्मवान्य। ८६४००गाव

अभातिक एउँ है। उपन्या क्राम्य निर्णाट्राम्य निर्णाण्य

MORNOBULEN PRODUCED लेंबीकिलियाभुउठिमणसीहिलणार उद्यमग्र किलाधिकानिकारी के क्ट्रियाण्डाविण राभक्ट्री गिष्ठमुब्द्धभारात्रमुष्ठिपा िपिरिणगाउपवाचे णिया। विणिरिण हमन्यिकात्रिकारिकामिन्य उपार्थिकामीर मार्डिमेभाइहयर परिबेक्का जा मेण भागा लेनी बीरिए शाय उरिकार मिन्य एउप यमिति। में गरे एउस्पर वाके भी प्राप्त में किया 7,847 मित्रा

ि।एउड्डिंग)विवेभीध्रेडिंगि उषबाबैभवेष्ट्रपियेग्रम्भणगाउष्टिगान्यां भगार्<u>किक नाउविभग्नरी भणिकाणाम</u>ु गिर्हाण ने उरीव भारिताणमी न नुभन गिर्भायाण्या है भडी है भडी स्थान EBAZDONIMBZY-CIZZA SINOG क्षणाभग्यतिणामग्रेषण्ड्यमा है।। विर्द्धिराभेगरा मेषास्याउद्यम्गरा अणमुण्डे असमागुष्यमेगिह पर्मायम्भावनाड्गाउवववामाध्यमा मिना हिंदे हे जी। उत्तर मिना हिंदी है भुवगिर डेंग्जिगारिय उंगाताहिड्वच गुव दिभेववग्भ श्री ताची चा गिडी। उछिडे कणानिष्ठित्र वैभूवकाणीं में वेग्रव्यानिणाभिणाभाष्टिभवः किणिक दिया है भारत विधेरी परिणाण गुन्दे वे विविशाण रे भाषााउपगरा विषेत्रिकारिया मीवविणेण शाद्या उपवर

याविनी अववि रिणारा रिभाग इन्एउकान कर गडिया विने क्षा कारी गडि प्यवाचाउभिणगाउभवरिवरिकाण णारभीभवेगे गर्डेमेम उविष्विविष रंडेग्णंडमेणाहरी उंडा दुत्ति। शिलि भार्षापुड्डाड्ड भारीगाभ डेवागुर्थिड からじどかかかまなかってかり अग्रहाफिश्रिफिट्ट कि

तेणस्टिंगिम भाष

द्तारभगा वासम्ब सर्भारउत्तर के है। तिक्रमी ग्रमिल उन्निष्धायामेन णस्डीस्मिडिड्डीभागातिगाहिथाडिउ रामग्री उपिपाणाश्री

सिक्षिवरीभा उन्दिमार्गा उष्टि भागगणा ।।।उपभे Mahilla-रिकारी । उन्हें स्वार्थिक । वियान मार्थित नियान में राष्ट्रिणाष्ट्रम्य स्वी उगार गुर्वे र गुष्ट भागामन मिन किमा हमा। गाभागाउँरमस्य

1978

विञ्रणिष्ट्र भागानिया भमें अविधिए। कारीबिर उपारी कारी गा ल्याम् डीरितिभट

गाभागागागमन

पीर्निएयभेगम्लेब

उषगाष्ठिमवा युगीहिलतारि विषा या ग्रेन्स् भगा मध्या नारि भगामाधिक र रखी गर्छ। मामा उपमण भापरप्रप्राटिखन्तु

उ६६२३लिडए

ग्उलाभेग्धा भाषा धमुस्टि। हिउमेउभारिणापः उमिषा वरीनार्धायायाव मता उठिभवन्डा उतिरगमेगिरिण उ गिरितित्वासीतित्वासी

गाभःगारिकिन

ज्तमउनिशिलिग रेण भ 12-20 BM1180 BZZ पमिटा है।

THE BINEEUM

यकीव हरें।

भःशामुस्यमिनदीत्राण्यामेन

गरीस्टिए एम्मम त्राण्येमालकाभीरिक्ति तारिणार्षिण एउट्ट ट्य तगरहारिया राज्य हिका

गष्टीषिणगुग्यसम्भीमज्ञान भिराविक्षिणाविन्द्रगाउप अधिकातिक द्वारातिक विचाहिपभारान्यप्रहा मिलाभाषापण में ए री मागडिए विस् । ग्यविन्व एर दिल्ली १३।।स्त BMBग्रेग्टियां व me हागुर्मियार्गियाः याग्रेव

गमभाद्यावगाड मेरमीरगाउपन ला ११ वर्ग विशाविकार पयउरेगी गिलिन्डे मी שומידונים

स्थितत्तरी।भर्व हैन्ट्र तर्रे । अन्टिर्व

(भएगाग्रं विश्वित्र) बाबे कामाण उपि से । उरिपानि मा उषययां विशिषणीमवद्यास् स्यमिराम्यामामामः भारति। भिनि मार्भाषायारम्य मार्मिन वनः गलहिमिसी नित्ता गामिलिया रीणगाउदिष उस्गर्भागाउउ मेणरमाणारपम 17 भाषिण वर्षिवरिष्ट अहिंसम रेजुमीणसिस्डीणाराज्य ग्रेंच्ह्रणयेणारन्थ

ले मराशि। मणमुग्री यशाब्य कर से हे थे रीयारी।।।।उडवरड

रेनगर उलिक्षणानिष्ठिब्रिते प्राण्यान्यास्याद्याहरू इस्तान्यास्याद्याहरू

डेग्यागरिने वन्गाउधार्य mयस्मा री भामने प मगुन्द्री बाजिए गुरुष्ट्र गुरुष्ट्र ग्रि मिमिनिणिणाग्हरामु हुम्भाणाण्डिणानगडानिमाणि जिंद्या जीवण तिवारी मागमगगउन्दिन भाग

प्राटमार्थहारी।।उष्यां केण गन्सिणाम्बाषुरसारी।उपार् म्ह्राष्ट्रिणाणगणनायोजा। याषे निष्टिकारिएए नाराभाषा के वि उम्बेगम गाष्ट्री।वजम्

धानियाराज्य जगाउँ रहारी परी। भारिम

ि उगर गर्वाष्ठित अप <u>विनागरीक्षणणमीनग्रशा</u>रि मिन्यगण्या है। 4112 विस्टिस् BEAM BAZ धनेपारी भारति

अञ्च विष्य विषयिष्य विषयिष्य र्शाष्ट्र भिंता वाचेन वस्त्री गाग्य हिह्छ।।भः१।।गयवण्यवरिद्वत

गरग उद्यापगराचल

TY উত্তেত্তিন 3218है हरे गणरीणरी। गिन्य हिस्ति कारी। नामित्य योगमन्त्री नगण्डा है म हिग्रहिलाल श्रेल है।

भग्योभणमी वरी निमित्र विभागा उपायाः उन्टिंगिण रिटिंग रकाउपन्टि/ 983

धणानी उमरे हो। हति है भारती है।

नेन भिने हेनी में उपन्ती

ग'वष्टिष्ठाउगराभागुन्यमञ्जाषिराभ ढरे जिन्द्र न्य रे जा गा गात्यमुमें अत्राग्याम्य द्वा भूग्वाराजावरी

गर्गाउववाचे भाषाभागभगरातिभा मण्डलिकारमान्द्रीमण्डलिकारम mमाबाह्य की जी। पर्हरी ला। पापर वरिड भगाउवयायातीभिरिकारिका)उत्पर्ध हर्निश्चर हरे ग्रेगिरनित्र la Ello Emphila Sunge a उन्।विवन्तिप्यम् **भग्गाउप अवश्व**

स्मामाउत्रिवित व्या १७ वर्मरी भी पव अं 'जीयान्टा। उद्यवस्था

744 विद्याशासे स्तिकारिया ह्पि उट्छान カワンクタケ 7114117115

उतिभागा

CINS 3 ort

दिरिम्।। उप्त 58॥उन्

णवमीमें है। निरं टिमिर एनी वयह छ।मडीप्रोमड्डाण्यु दी नाष्ट्रय 137913

मिथियो। छिए छत्ती विषे उगेण हिडममण्डा 130E(B)2927 रेडार्रियारायिकारान्ट्रिस

तिमितिने ग्रही जिंग अनिर्भ प नुबुद्धि।

भागायुराभेजनगभन्ति المالالملهاالالكمال जाउपाउनस्य मृह

दिराष्ट्रियम् विनेनपरिणाउण पुंच गाउधभी

187 राष्ट्रमाराष्ट्र निए रिक्टिण हुए। उद्यक्षेण मवण्हरी।वरेमेएवरने णिष्ठाउवभयद्भवरह उष्वाचेणिधणाराहिष्ठ्रम

क्षाउनग्रद्भाव स्ट्रिंग विभाव रिणामिन देनन देन रामिति में उरिर्माणणे जानमपद्भव छ वेगिशिणाणगरह उपीम भगर वे अत्राहिमराभ्याहिष्ट्रा पस्ताविष्ठिम रिक्यास्वयाप रियामग्रम् अस्येणामग्रह विनाम भाषा विशेष विरमीयार गरे। राष्ट्र भाउवह, उ.वीम भग्ट-०

१ ६६

गर्वसणाउगउष

राणाउद्यम्पद्रम्पराष्ट्र गण्णवयिभुमण्ण-छणि SWIME SHIENTY इमाण्यमल हपि उद्दिष याणाणीयान्य पड उस्वाग्याज्ञा

भूम एएए। जीन्वएः हात्रिमाणक्षणामित्रगुर गर्षणिभारितेग्यम एएका टीक्भुमा मामारी जारियान अवरह सी।उद

पप्रिणणा । अवधाव व छुवाएम अंद्रिए उमिर्टिमें भागितिमित्रिमानियानि देविवग मीएएग उन्नाशाउद्यक्ष ने मासिक्षानातात्त्र

एकिये।।।।हिन्दीए

Alle

भागड्यायिक ग्रिम्डिया में जिल्ला के लिल 1) 1)वव ग्रेवह, पर्शाश्य गमन्य रागागुरुले स्थिण रष्टु उत्ता विश्वास तनिरीयाष्ट्र।।४।।३।।उषग

गरीम में एमा माध्या मिरहा

हिणापउन्हरीयउपहिणायान्य हिण्णाउषप्यग्वग्रहार

ाष्ट्रगुर्रिकारिकारी । उपारेशिक वेसीमामरम्यामरम िति विरामिण वरिराण त्रवण गरेव जाउबम्बादिलिक्षणाठीणिया गरि उत्विका उत्ति दे हे ते ता विष् नामारिक्तामारिकार्यामारिकार्यामारिकार्यामारिकार्यामारिकार्यामारिकार्यामारिकार्यामारिकार्यामारिकार्यामारिकार्य उगग्यिमाजावस्य एछ।विरणवरीले उनी उरि गु ।। जा विषय विषय विष्या । द्वभः भागमिष्ठी उगवडा

उभर्गित्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्व

11मधन्ड समा रमस्यरि गुम्डी।भाउषम्स प्रिण्या अपकारमा अपकार उसवादिति जाए हरी। भेरह रमी एगुग्यम् रिष् EMB 277 Lussa Ellind

998

वयानिगली उटी।।)। है।।।।एनए भार मे, गुमन्वरी भे। ह गरीग्री के गार्ड ग स्पराष्ट्राप्त

मजिताष्ट्रिय । अस्ति । निगष्ठामिर्ड

एएवं सि होनी है। हिराठी-मेरिए हिरा गाईग क्रिण हमेड गडीव 4470 डीवरगा ११११

जिल्ला है। जिल्ला गमित्रचित्रविति ग्रेषीरामार मिनित्र मा अप्राणी उर्गामित है व गुडीममागगगमगमाउन कितरीन मीगार्धित भिक्रण तरीय गाई तमिम मामिम तुन कणकाउरमें आई।

तिमिशिषअरीया गामागष्ट्री।वस्वीरेणाण *भागउए उवाण* भ

गाउद्यामिकार्चरित गाउद्यादिर हा छिडी गुष्ठ बाबा व्मभी गगरि मिलालिवर वरिशाउषवम उभराम् ष्राष्ट्रम यवी डिमारिको

र्षप्रभारति। इस भाभाषाभिद्रमाल भागम्भवरहाराष्ट्रभाम मिरिमिरी में भी होंगा शिह मिरिकारीकारिकारी

इंडग्रीणगायं भाषिन क्रियाति। विस्तितिक काम कर्तिक क्रिकालिक रिणणाभेउष्उभेड

भगारवनग्री मारी विकाण उपाने न कारावाग्य हारावाच्या ताउग्राम्हित्य एमिल पात्रारि भागुग स्टि।।वारा गिरिस SHEWINDER सिर्मित ग्राज्यमा हिणानिष्मउरस्व

हरमान परे १ इसिं मर्भापग्भ उडम उष्यक्तायादिङ्गाम् एना दिउन इमाग्रापिकामिड्डिमार्गापिक तत्त्र वेश्वमें ट्रायमेरी मम्स्यम्स्यावपाष्ठम बामा। उने ण गेन-कि

477119713971371919 १न्द्रीयम उ नेग्रामेराहि । प्र द्रामिन् न्द्रापम्पावस्तरि

षेडा।मैत्रभेडाएभितं पितिमंडाउईएएकावधुः

माध्यड्याविगरागारिड भागागाग्ववरमश्बेग प्पिरेरे रिस्मामारे से

उपवामीणिभागागागि

रपेंडांगाणनांडा हैतिपष् रजाउष्यवण्याउ णमीपी वर्षिण र उगाउषिप पृष्ठ उपिरदुवावाकीकिएगामा गम्बनपापिकणार्य निका भागाउद्यम्पेजग

। उपारं। उषम् मण्य भग्गाउष्मिया भूभ णउप देन छा भरी

गणरगरगमान मेर्डिं वेन वानगिनगार।मिष्ड

वमन-रास्म कार्षिति कामन रित्रामायाञ्च ए एक हो। かっていかいというかいとうしているかっという िमिन-टिशिममा उद्या उपने भुग्राष्ट्र या या ग्री है। रिए नव सम्ब ननमर्शियाङ्गीर्ग

क्रिनुहित्वाचे र भी दे

युगागाना व

रव्य भमगण्डे हराणुभराव

गश्रिमेरीणपदिप हेउन्हाभाग्जाज्यभागनः (हार्मणायमारा)

निर्वारित्रिक्षित्रक्ष

उपराष्ट्रपावटार्व वास्ववासी प्रहार

なしのもとうなんしん गणपरेगाउँ रही भागा न

णतािगागमस्विपरीक्षेड् भेष्ठिति स्थाति । जित्रामिन । जित्रामिन तिमनामस्वाणुग्ना हिन्हिन उउउना)३।।उष्व विभिन्न कराति। मएभग्रंषरन्उषपद्ररे

777

लीग्डीपर्स्णेडेबर म्राण्डेमग्ध्र्यार्डिण उतिगिरिमन्दे निस्थानिक स्थानिक द्रार् रहेगा। उद्यक्षके विभागानि है। मउमाउरणारेनात्रणभिष्ठि मीण्युणस्याष्ट्रम पर्वेतिस्वपणावपी

*पाम्पउरा*णे रिविध्विध एमण्डिंगा। ツァタラハアタスはどの उगाउन विविधित 是我可可则是对为少少

एगिट उभरिए उ 154मम्परम्बन्दग) टमस्याणमिलमिलाहिस्य महरजन्मगानामवान ग्उद्वर्सम्बद्धाणणागा वमगुर्भ अवभी एगण 17/19/9/01

रगुण्यिक भारत एक्टमी थेत्र है।।बाब णग्रहें विभावि

भागमन्भारीयम्य

17 मित्रकाणिहरूपियह गारगम्गरम् रस्यापषी।भाष्यिएकु उजामिजी देउ छिष्ठ हि।वर्गित्रमग्रिमगार्गाः

रती र्ष मिन भन्दे गणि राज्यीति वित्रिकाराज्या पटाण्यम्य पेर्यापुष 7,1010,010,00

गणिनगाउपन

उषभा अस्ति । जिर्मे किर्योक्ति स्वास्ति मुजा।त्रवम्रीकरभुउँ एगोन्गास्कार्ययाम् णियहण मायरहरी वेउन्बन्ति मुद्दि एक्टी अस्मिशियाले देन्देशीवन्छ 113वभाउं बीणिश्यरी।

गर्ति हिल्लामा अवस्त भगाषाषाउँ गण (१भग) उत्भिष्य लगारिपेमिण सलिए moरार्डड्य परामे मेडित्र का निमानिक किया में

पेड्रपमित्रावामिड्स भाषे

१ वरिष्ठिम म म वर्ग भागि छ दिशान 328 मारिकामारियाउनेर 6 Sima

उबमुर्गरन िणणनीरे

73E

थिवर गीत्र राष्ट्र उस्रिक्गारिया में कि उह्म प्रवास्ति द्वान स र, ररेप्पिको।उरउ

||२२

रणस्वैस् भिष्ठागण्डभरी

238

टा उगार पारा गारा र

क्षाणांसं क्री

(भमीताण उरो गारण्या राष्ट्री

your war मड१५२५॥१भडीभ

	,			
	-			